THE CORE IAS

हिन्दी साहित्य

(वैकल्पिक विषय)

सरल, सहज और अंकदायी विषय

300 अंक

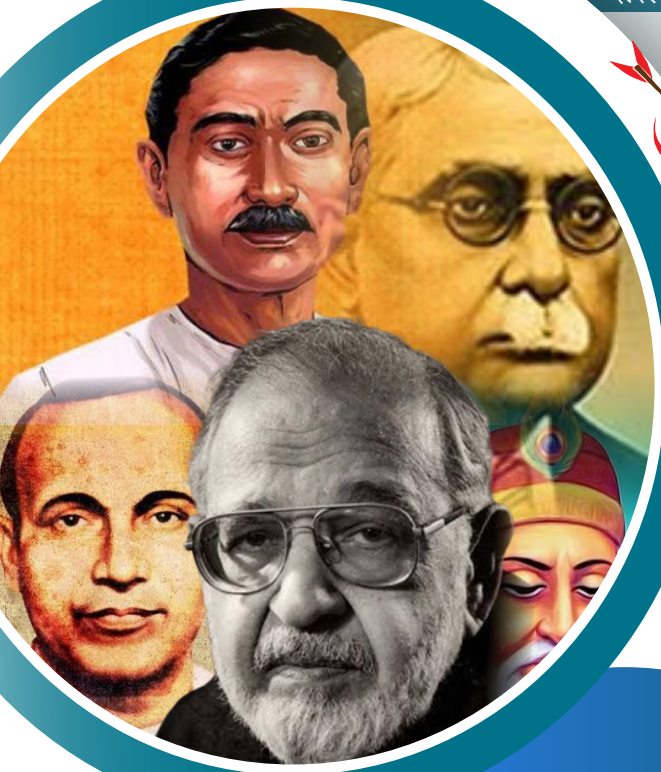

हिन्दी साहित्य

वैकल्पिक विषय

बिंदु से सिंधु तक

हिन्दी साहित्य

011-41008973, 8800141518

UPSC वैकल्पिक विषय -हिंदी साहित्य

प्रश्नपत्र-1

खंड : 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)

- अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
- मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
- उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
- हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
- स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
- नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।
- मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना

खंड : 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

(क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य।
प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति।

(ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा।
प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।

(ग) रीतिकाल: रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य
प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद।

(घ) आधुनिक काल: 1. नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।

(ड.) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ।
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।
प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।

कथा साहित्य:

(क) उपन्यास और यथार्थवाद
(ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास
(ग) प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।
(घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।
(ड़) प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।

नाटक और रंगमंच :

(क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
(ख) प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।
(ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।

THE CORE IAS

आलोचना :

(क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।

(ख) प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।
हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।

प्रश्नपत्र-2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके।

खंड : 'क' (पद्य साहित्य)

- कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
- सूरदास: भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद)
- सं. रामचंद्र शुक्ल
- तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)
- जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
- बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
- मैथिलीशरण गुप्त : भारत भारती
- जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
- सूर्यकांत त्रिपाठी शनिराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
- रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
- अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
- मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस
- नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

- भारतेन्दु : भारत दुर्दशा
- मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
- रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1), (कविता क्या है, श्रद्धा-भक्ति)।
- निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र। बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
- प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)
- प्रसाद : स्कंदगुप्त
- यशपाल : दिव्या
- फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
- मन्नू भण्डारी : महाभोज
- राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)

THE CORE IAS

मुख्य परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित सूची में से किसी एक विषय का चयन करना होता है। इसे ही वैकल्पिक विषय कहा जाता है। विषय के चयन में इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि उम्मीदवार की पृष्ठभूमि किन विषयों की रही है? उम्मीदवार जो चाहे, वही विषय चुन सकता है। उदाहरण के लिये, कोई इंजीनियर चाहे तो 'हिंदी साहित्य' चुन सकता है और कोई डॉक्टर चाहे तो 'इतिहास' विषय के साथ भी परीक्षा में शामिल हो सकता है। किसी भी वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम दो प्रश्नपत्रों में विभाजित होता है। 2013 से लागू नई परीक्षा प्रणाली के अंतर्गत दोनों प्रश्न-पत्र 250-250 अंकों के रह गए हैं क्योंकि वैकल्पिक विषय के लिये अब कुल 500 अंक निर्धारित हैं। दोनों प्रश्न-पत्रों की परीक्षाएँ एक ही दिन बारी-बारी से आयोजित की जाती हैं। उम्मीदवार को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिये 3 घंटे का समय दिया जाता है। वह अंग्रेजी या संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में, जिसे उसने मुख्य परीक्षा के माध्यम के तौर पर चुना हो, प्रश्नों के उत्तर लिख सकता है। सिर्फ साहित्य के विषयों में यह चयन सीमित होता है और उम्मीदवार को प्राय: उसी लिपि में लिखना होता है जो उस भाषा की है. जैसे हिंदी साहित्य के लिये देवनागरी लिपि।

विषय चयन के तर्क और वास्तविक आधार

- पहला कारण यह है कि अंग्रेजी में जिस स्तर की पाठ्य सामग्री मिलती है, ठीक वैसी हिंदी में नहीं मिल पाती।
- दूसरा कारण यह है कि बहुत से परीक्षक अंग्रेजी में सहज होने के कारण हिंदी के उम्मीदवारों की अभिव्यक्ति से पूरा तादात्म्य नहीं बैठा पाते। वे हिंदी समझते तो हैं, पर हिंदी में की गई प्रभावपूर्ण अभिव्यक्तियों का मर्म ग्रहण नहीं कर पाते।
- कभी-कभी प्रश्नपत्र में अनुवाद की गलती से भी ऐसा नुकसान हो जाता है। ध्यान रखना चाहिये कि मूल प्रश्नपत्र अंग्रेजी में बनाया जाता है और हिंदी में उसका अनुवाद किया जाता है।

विषय चयन को लेकर सभी विषयों के पक्ष में कुछ न कुछ तर्क दिये जा सकते हैं।

- आमतौर पर दिया जाने वाला तर्क है कि वे सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में मदद करते हैं।
- कोई विषय इसलिये लिया जाना चाहिये क्योंकि वह आकार में छोटा है।

- कुछ लोग तर्क देते हैं कि वैकल्पिक विषय के चयन का आधार अथवा / और रुचि हो; यह होना चाहिये कि उम्मीदवार की उससे संबंधित पृष्ठभूमि है। या नहीं?
- एक लोक प्रचलित तर्क यह भी है कि विषय के चयन का मुख्य आधार रुचि होना चाहिये अर्थात् उम्मीदवार को वही विषय चुनना चाहिये जिसे पढ़कर उसे आनंद मिलता हो।
- सच कहें तो विषय चयन का असली आधार एक ही है; और वह यह कि वह विषय आपकी सफलता में कैसी भूमिका निभाता है? बाकी सभी आधार इसके सामने गौण हैं। वे इस आधार के साथ-साथ तो चल सकते हैं किंतु इसकी कीमत पर नहीं। इसका अर्थ है कि अगर का सफलता की दृष्टि से दो विषय पूरी तरह बराबरी पर हों तो उनमें से उस विषय को प्राथमिकता दी जानी चाहिये जिसमें उम्मीदवार की पृष्ठभूमि अथवा / और रुचि हो; किंतु अगर एक विषय सफलता में सहायक हो और है दूसरा बाधक हो तो बिना किसी संदेह के उसी विषय को प्राथमिकता देनी चाहिये जो सफलता में सहायक हो।

कोई विषय सफलता में कितना सहायक है, यह जाँचने के लिये में देखना चाहिये कि वह परीक्षा में कितने अंक दिलाने की ताकत रखता है? उसमें अच्छे विद्यार्थियों को औसतन कितने अंक मिलते हैं? ध्यान दें कि अंकों का निर्धारण उसी माध्यम के उम्मीदवारों के आधार पर किया जाना चाहिये जिसमें आप परीक्षा देने वाले हैं। अगर अंग्रेजी माध्यम के किसी उम्मीदवार को किसी विषय में अच्छे अंक मिले हैं तो यह निष्कर्ष बिल्कुल न निकालें कि हिंदी माध्यम में भी वैसे ही अंक मिलेंगे। यह भी ध्यान रखें कि आपके वैकल्पिक विषय में अंकों का विचलन इतना ज्यादा नहीं होना चाहिये कि एक बार आपको 350 अंक मिलें और दूसरी बार 200 से कम रह जाएँ। उसकी विषयवस्तु ऐसी नहीं होनी चाहिये कि हिंदी माध्यम के अभ्यर्थी अंग्रेजी की तुलना में नुकसान झेलने को मजबूर रहें।

हिंदी साहित्य: श्रेष्ठ विकल्प

- हिन्दी साहित्य की एक बार तैयारी कर लेने के बाद उसे प्रतिदिन या प्रतिवर्ष 'अपडेट' करने की आवश्यकता नहीं पड़ती, अतः अभ्यर्थी किसी भी परीक्षा में अपने नोट्स को दोहराकर अच्छे अंक प्राप्त कर सकता है।
- अंग्रेजी माध्यम में अधिक पाठ्य सामग्री उपलब्ध होने के कारण हिन्दी माध्यम के जो उम्मीदवार कुछ नुकसान की स्थिति में रहते हैं, हिन्दी साहित्य विषय में ऐसी स्थिति नहीं है।

- साहित्य के अध्ययन से जीवन के प्रति गहरा दृष्टिकोण विकसित होता है. इसलिये निबंध और साक्षात्कार में इसका अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। कुछ अच्छी काव्य पंक्तियों का प्रयोग निबंध और साक्षात्कार में अनूठे अंक दिलवा सकता है। इसके अलावा, साहित्य पढ़ने से भाषा और उसकी समझ सुधरती है जो 'बोधगम्यता' (Comprehension) जैसी क्षमताओं के विकास में मदद करती है।
- समझने की दृष्टि से हिन्दी साहित्य अत्यंत सरल विषय है क्योंकि इसमें जटिल अवधारणाएँ एकदम नहीं हैं।
- यह विषय संवेदनाओं भावनाओं तथा विचारों से जुड़ा होने के कारण अत्यधिक रुचिकर, मर्मस्पर्शी तथा मनोरंजक है। उपन्यास. कहानियाँ और कविताएँ व्यक्ति की अपनी ही जिंदगी का प्रतिबिम्ब होती है। इसलिये साहित्य का अध्ययन करना एक अर्थ में अपने जीवन को ही गहराई में समझना है।
- हिन्दी साहित्य में प्रश्नों के उत्तर बंधे बंधाए नहीं होते हैं, इसलिये अभ्यर्थी यदि अपनी ओर से कुछ लिखे तो उसे उसकी रचनात्मकता मानकर सम्मानित किया जाता है, दंडित नहीं। इसका लाभ यह होता है कि अगर उम्मीदवार को किसी प्रश्न का उत्तर न पता हो तो भी वह अपनी रचनात्मकता से उत्तर लिख सकता है।

(हिन्दी साहित्य-वैकल्पिक विषय) हिन्दी माध्यम ही नहीं अपितु अंग्रेजी माध्यम में भी काफी लोकप्रिय है। विगत कई वर्षों में विषय के चयन के स्तर से लेकर अंतिम परिणाम तक में इस विषय का प्रभाव रहा है। हिन्दी माध्यम में इस विषय की महता इससे जानी जा सकती है कि 2022 में अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को सर्वाधिक संख्या हिन्दी साहित्य की रही है।

The Core IAS में हिन्दी साहित्य का अध्यापन अरविन्द कुमार सर द्वारा किया जाता है। जिनका विशेष अध्यापन प्रणाली आपको 300+अंक लाने में सक्षम बनाते हैं।
कक्षा में प्रत्येक टॉपिक पर वर्तमान परीक्षा प्रणाली अनुरूप अद्यतन सामग्री के साथ अध्यापन कार्य संचालित होता है, जहाँ विस्तृत परिचर्चा, अभ्यर्थी-शिक्षक के मध्य सार्थक संवाद से विषय को सहज और रुचिकर बनाया जाता है।

उत्तर लेखन (500 + प्रश्न) कक्षा कार्यक्रम

किसी भी विषय में अधिकतम अंक प्राप्ति हेतु प्रश्नों से साक्षात्कार अत्यंत महत्वपूर्ण है द्य हमारे परम्परागत अध्ययन में अभ्यर्थियो और शिक्षको द्वारा केवल विषय के विषय वस्तु अर्थात केवल पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के सन्दर्भ में सम्प्रेषण होता रहा है, इस कडी

में हम प्रश्नों से अक्सर अछूते रह जाते है ,इस छूटी हुई आतिमहत्वपूर्ण कड़ी को जोड़ने हेतु उत्तरलेखन कक्षा कार्यक्रम का नवीन पहल किया गया, ताकि जो भी अभ्यर्थी उत्तरलेखन की वास्तविकता से दूर है वो सभी इससे जुड़कर लेखन मे दक्षता हासिल करे। वैकल्पिक विषय जो सीधे तौर पर 500 अंको का है इसमें अभ्यर्थी द्वारा 300 से ज्यादा अंक हासिल कर अपने रैंक को सुनिश्चित कर सकते है अक्सर देखा गया है की वैकल्पिक विषय में कम अंक अंतिम चयन को प्रभावित करते है ,इस स्थिति को हम अपने 500+ अद्यतन प्रश्न पर आधारित कक्षा के माध्यम से दूर करेंगे। साहित्य में जो समसामयिक हमारे पाठ्यक्रम से सम्बंधित है उसे भी हम पूरी तरह परिचर्चा करेंगे जो साक्षात्कार के लिए भी अतिमहत्वपूर्ण है।

***

हिन्दी साहित्य संचालित कक्षा कार्यक्रम

Online/offline

THE CORE IAS

उत्तर लेखन (500 + प्रश्न) कक्षा कार्यक्रम fee 12,500+(Including GST)

संपूर्ण पाठ्यक्रम (प्रश्नपत्र 1+2) कार्यक्रम fee 39,500+(Including GST)

टेस्ट सिरीज (8 खण्डवार और 4 पूर्ण टेस्ट) fee 8000+(Including GST)

भाषा खण्ड/काव्य खण्ड/गद्य खण्ड पर आधारित मॉड्यूल fee 5,500+(Including GST)

OUR CLASSROOM RESULT

JATIN JAIN
(Rank-91) UPSC CSE-2022

SHRUSTI
(Rank 165) UPSC CSE-2022

DAMINI DIWAKAR
(Rank 435) UPSC CSE-2022

AKANSHA
(Rank 702) CSE-2022

NEHA JAIN
UPSC 2021-RANK 152

ABHI JAIN
(Rank 282) 2021

Scan here for Testimonial

VASU JAIN
(Rank 67) 2020

AKASH SHRISHRIMAL
(Rank 94) 2020

DARSHAN
(Rank 138) 2020

SHREYANSH SURANA
(Rank 269) 2020

ARPIT JAIN
(Rank 279) 2020

SANDHI JAIN
(Rank 329) 2020

RAJAT KUMAR PAL
(Rank 394)

SANGEETA RAGHAV
(Rank 2)-2018 UPPSC

PANKHURI JAIN
2018 UPPSC

ABHISHEK KUMAR
(Rank 38) 2018 UPPSC

103, B-5/6 II Floor, Himalika Commercial Complex Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 09

53/4, 1st Floor, Bada Bazar Road, Old Rajinder Nagar, New Dehli, Delhi 110060

011-41008973, 8800141518, 9873833547